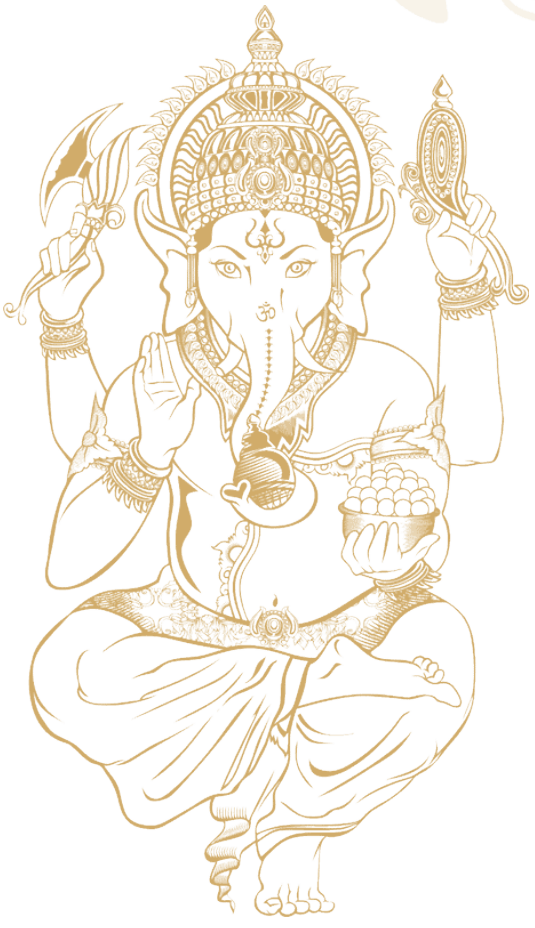

??? ?????

05 Sep 1993

04:45 AM

Indore

Model: web-freekundliweb

Order No: 121256602

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**4-05/09/1993**
दिन	शनि-रविवार
जन्म समय	**04:45:00 घंटे**
इष्ट	56:27:58 घटी
स्थान	**Indore**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	22:42:00 उत्तर
रेखांश	75:54:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:18:36 घंटे
वेलान्तर	00:00:55 घंटे
साम्पातिक काल	03:14:54 घंटे
सूर्योदय	06:09:48 घंटे
सूर्यास्त	18:40:40 घंटे
दिनमान	12:30:52 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	18:38:42 सिंह
लग्न के अंश	28:36:38 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 1**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	वृद्धि
करण	बालव
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	चू-चूड़ामणि
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	28:36:38	322:20:22	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	---
सूर्य			सिंह	18:38:42	00:58:09	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	मूलत्रिकोण
चंद्र			मेष	00:50:56	11:49:45	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	सम राशि
मंगल			कन्या	21:33:03	00:39:08	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
बुध		अ	सिंह	24:45:45	01:49:37	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	मित्र राशि
गुरु			कन्या	22:08:13	00:11:48	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			कर्क	16:08:02	01:11:52	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	शत्रु राशि
शनि	व		कुंभ	02:00:02	00:04:14	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	केतु	मूलत्रिकोण
राहु	व		वृश्चि	13:00:33	00:07:01	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	13:00:33	00:07:01	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	राहु	सम राशि
हर्ष	व		धनु	24:39:48	00:01:05	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
नेप	व		धनु	24:46:21	00:00:47	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
प्लूटो			तुला	29:15:22	00:01:06	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	सूर्य	---
दशम भाव			मेष	27:23:18	--	कृतिका	--	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:46:24

लग्न-चलित

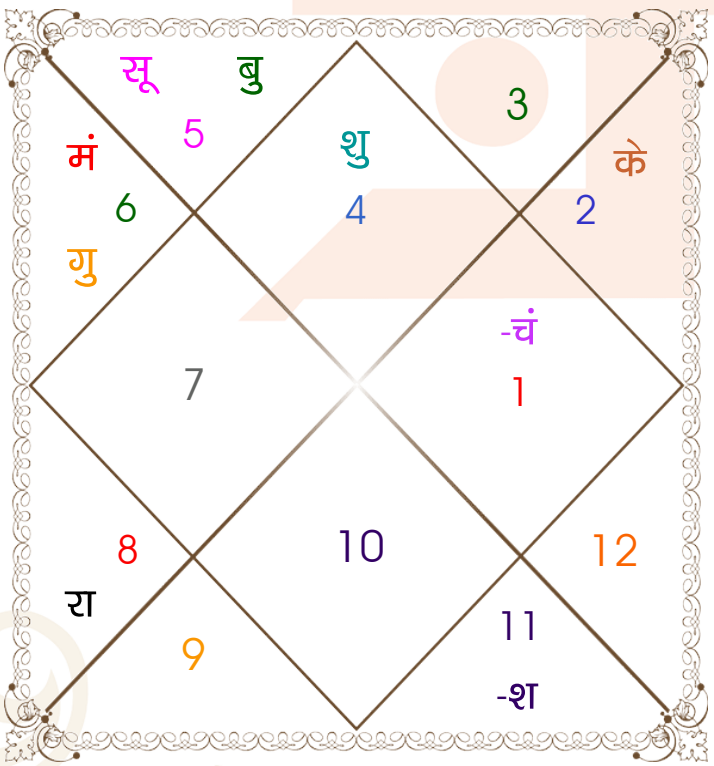

चन्द्र कुंडली

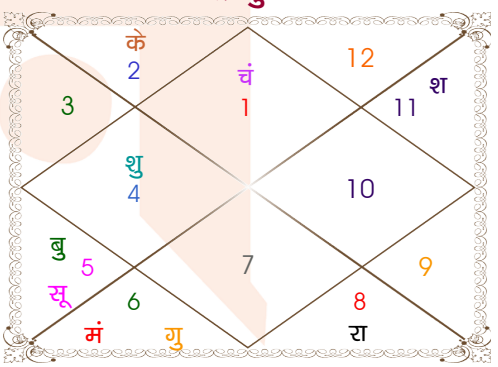

नवमांश कुंडली

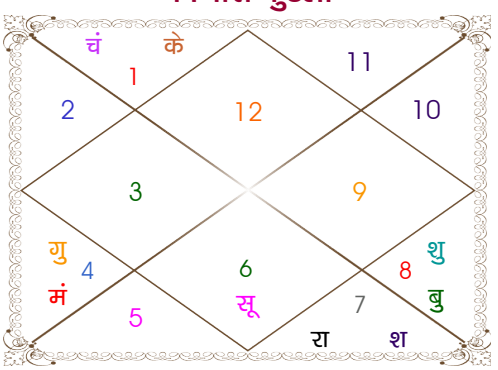

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 6 वर्ष 6 मास 19 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
05/09/1993		26/03/2000		26/03/2020		26/03/2026		26/03/2036	
26/03/2000		26/03/2020		26/03/2026		26/03/2036		26/03/2043	
	05/09/1993	शुक्र	26/07/2003	सूर्य	13/07/2020	चंद्र	25/01/2027	मंगल	22/08/2036
शुक्र	22/10/1994	सूर्य	25/07/2004	चंद्र	12/01/2021	मंगल	26/08/2027	राहु	09/09/2037
सूर्य	27/02/1995	चंद्र	26/03/2006	मंगल	20/05/2021	राहु	24/02/2029	गुरु	16/08/2038
चंद्र	28/09/1995	मंगल	26/05/2007	राहु	13/04/2022	गुरु	26/06/2030	शनि	25/09/2039
मंगल	24/02/1996	राहु	26/05/2010	गुरु	31/01/2023	शनि	25/01/2032	बुध	21/09/2040
राहु	14/03/1997	गुरु	24/01/2013	शनि	13/01/2024	बुध	25/06/2033	केतु	17/02/2041
गुरु	18/02/1998	शनि	26/03/2016	बुध	18/11/2024	केतु	24/01/2034	शुक्र	20/04/2042
शनि	29/03/1999	बुध	25/01/2019	केतु	26/03/2025	शुक्र	25/09/2035	सूर्य	25/08/2042
बुध	26/03/2000	केतु	26/03/2020	शुक्र	26/03/2026	सूर्य	26/03/2036	चंद्र	26/03/2043

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
26/03/2043		26/03/2061		26/03/2077		26/03/2096		27/03/2113	
26/03/2061		26/03/2077		26/03/2096		27/03/2113		00/00/0000	
राहु	07/12/2045	गुरु	14/05/2063	शनि	29/03/2080	बुध	22/08/2098	केतु	23/08/2113
गुरु	01/05/2048	शनि	24/11/2065	बुध	07/12/2082	केतु	20/08/2099	शुक्र	06/09/2113
शनि	08/03/2051	बुध	01/03/2068	केतु	16/01/2084	शुक्र	20/06/2102		00/00/0000
बुध	25/09/2053	केतु	05/02/2069	शुक्र	17/03/2087	सूर्य	27/04/2103		00/00/0000
केतु	13/10/2054	शुक्र	07/10/2071	सूर्य	27/02/2088	चंद्र	25/09/2104		00/00/0000
शुक्र	13/10/2057	सूर्य	25/07/2072	चंद्र	28/09/2089	मंगल	23/09/2105		00/00/0000
सूर्य	07/09/2058	चंद्र	24/11/2073	मंगल	06/11/2090	राहु	11/04/2108		00/00/0000
चंद्र	07/03/2060	मंगल	31/10/2074	राहु	12/09/2093	गुरु	18/07/2110		00/00/0000
मंगल	26/03/2061	राहु	26/03/2077	गुरु	26/03/2096	शनि	27/03/2113		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 6 वर्ष 6 मा 19 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ-लग्न के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म आकृति से यह निर्देश प्राप्त होता है कि आप में दो प्रकार की विशेषता विद्यमान है। प्रथम तो यह है कि आप आस्तिक विचार धारा के भगवान के प्रति समर्पित प्राणी हैं तथा भगवान से भयभीत रहते है। दूसरा यह है कि आपके मन में धार्मिक तीर्थ-स्थानों का भ्रमण, दर्शन की अभिरूचि रहती है तथा आप दानशील प्रवृति के प्राणी है। आप पूर्ण रूपेण सांसारिक विषयों के प्रति रूचिवान है। आप ऐहिक सुखों के भोग हेतु किस प्रकार धन उपार्जन किया जाए। अर्थात् चाहे जो कुछ भी हों जीवन के अन्तिम किनारे तक सुख भोग एवं आनन्द प्राप्त करें। इसके अतिरिक्त आपको मद्यपान से स्नेह हैं। आप इन दो भिन्न-भिन्न विशेषताओं को किस प्रकार समतल करेगें यह आप ही जानते है।

आप वास्तव में सामंजस्य के विद्यान के ज्ञाता है तथा सामंजस्य स्थापित करते हैं। आप कुशाग्रबुद्धि के प्रशिक्षित विद्वतापूर्ण प्रतिभा सम्पन्न हैं। आप धन प्राप्ति हेतु अनीतिपूर्ण अभिलाषा नहीं रखते।

परन्तु आपकी जन्मजात प्रवृति है कि आपके दिमाग में यह बात रहती है कि किसी भी बातों के सम्बंध में भली प्रकार ज्ञान प्राप्त करें। आप किसी के साथ छल कपट पूर्ण व्यवहार नहीं कर दूसरों के साथ विश्वसनीयता पूर्वक सहयोग एवं सहारा लेकर किसी भी वस्तु को हस्तगत करना चाहिए कि नीति अपनाते हैं।

आपको अपने जीवन में सदैव उत्तम एवं मनोहर आनन्द प्राप्ति की अभिरूचि रहती है क्योंकि कि आप स्वार्थी प्राणी है। इस दृष्टिकोण से आपको विशेषतया सतर्कता अपनाना चाहिए। कम से कम परिवार के सामने अपने व्यक्तिगत महत्वकांक्षा को सीमित रखें। आपको अपनी पति एवं सुसन्तान के प्रति आज्ञाकारी भावनाओं से युक्त समर्पित भाव से सदैव तत्पर रहने से प्रसन्नता की प्राप्ति होगी। अतः आप निश्चित रूप से परिवारिक सदस्यों के सम्बंध की सीमा का उलंघन नहीं करे। आपको घर गृहस्थी द्वारा संयमित सुख साधन प्राप्त होगा। कर्क राशीय प्रभाव से आप वास्तव में अध्ययन तथा मार्गदर्शन कर सकते है। आप अपने निर्देशित शक्ति सम्पन्नता के पथ पर चलकर दूसरों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।

आपमें यह सामर्थ्य विद्यमान है कि आप कोई भी कार्य कुशलता पूर्वक सम्पन्न कर सकते हैं। आप अपनी तामसी प्रवृति का त्याग कर अथवा अवरूद्ध कर जन सामान्य में प्रसिद्धि प्राप्त करेगे।

आप औसतन लम्बे छरहरे बदन, चेहरा एवं पूर्ण (गाल) कपोल युक्त सुन्दर है। आप समय के महत्व को समझ कर चल सकते हैं और आप बेढंगे चाल चलन को त्याग दें बल्कि दृढ़तापूर्वक शोभनीय आचरण करें। यदि आप अधिक भोजन ग्रहण करते रहे तो आपके शरीर का अपरिमेय वृद्धि हो जाएगा तथा आप एक असामान्य दिखने लगेंगे। आपकी किशोरावस्था में स्वास्थ्य अच्छी रहेगी तथा आप अधिक समय तक मनोहर सुन्दर दिखेंगे।

आपके शरीर का समुचित विकास होगा। कर्क राशीय सिद्धान्त के प्रभाव से आपकी छाती में तथा पेट सम्बंधी रोगों (समस्याओं) के प्रति सावधानी बरतें क्योकि कुछ वर्षों के पश्चात् पाचन क्रिया विकृत होकर आपके सामने दिक्कतें पैदा कर सकती है। साथ ही आप शान्ति पूर्वक जीवन व्यतीत करने की आदत डालें क्योंकि आप एक सुन्दर (प्रसन्न) प्राणी हैं।

आप हिस्ट्रीया रोग, जॉनडिस (पीलिया रोग) एवं जलोदर रोग से प्रभावित तथा आक्रान्त हो सकते हैं। आप सतर्कता पूर्वक नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आप अंक 4 एवं 6 अंक का व्यवहार हेतु (पसन्द) चुन सकते हैं। अंक 3 एवं 5 अंकों का परित्याग करें।

आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीमकलर पीला एवं लाल रंग उत्तम है। कृपया रंग हरा एवं ब्लू रंग के वस्त्रादि धारण नहीं करें।